पी एम श्री केन्द्रीय विद्यालय सेना क्षेत्र, पुणे

प्राथमिक अनुभाग

नवाचार और सर्वोत्तम प्रथाएँ

1. कठपुतली थियेटर (प्राथमिक अनुभाग)

खेल के माध्यम से सीखना हमारे बच्चों की शिक्षा के लिए मौलिक है, जब बच्चे अत्यधिक व्यस्त होते हैं तो इससे सीखने का अनुभव बेहतर होता है, जिससे बच्चों के विकास को और बढ़ावा देने में मदद मिलती है। कठपुतलियाँ बच्चों की कल्पनाशीलता को उत्तेजित करने के साथ-साथ रचनात्मक खेल और खोज को प्रोत्साहित करने में मदद करती हैं।

कठपुतलियाँ बच्चे की कल्पना के द्वार खोलती हैं, जिससे उन्हें सृजन, अन्वेषण और फलने-फूलने का मौका मिलता है। कक्षा में सीखने में जीवन और मनोरंजन का संचार करते हुए, कठपुतली का खेल प्रारंभिक शिक्षा सेटिंग में एक शक्तिशाली शिक्षण उपकरण है|

2. भोजन से पहले प्रार्थना

कृतज्ञता, सचेतनता और विनम्रता की भावनाएँ विकसित करने के लिए, बच्चों को भोजन करने से पहले प्रार्थना करना सिखाया जाता है। यह एक इशारा है--

1. भोजन और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद व्यक्त करना।

2. ईश्वरीय प्रावधान और अंतर्संबंध को पहचानना।

3.उच्च शक्ति पर निर्भरता को स्वीकार करना।

इसका सांस्कृतिक महत्व भी है. कुछ परिवारों में भोजन से पहले प्रार्थना करने की परंपरा हो सकती है।

लोगों को एक साथ लाता है, समुदाय और एकता की भावना को बढ़ावा देता है। यह भोजन तैयार करने में किए गए प्रयास और संसाधनों के प्रति सम्मान भी पैदा करता है।

इसके और भी फायदे हैं. यह अभ्यास आत्मनिरीक्षण और आत्म-जागरूकता को प्रोत्साहित कर सकता है,

शांतिपूर्ण माहौल बनाना और पाचन को बढ़ावा देना।

स्वास्थ्य लाभ भी हैं.

यह तनाव को कम करता है और मन और शरीर को शांत रखता है। धीरे-धीरे खाने और ध्यान से खाने से पाचन में सुधार होता है।